अन्तर्दृष्टि

1. <u>मानव धर्म के आधार</u> -

प्रकृति के शाश्वत नियम :-

(a) **चक्राकार गति** - वृक्ष-बीज-वृक्ष; दिन-रात-दिन; **जन्म-मृत्यु-पुनर्जन्म।**

(b) **अनुलोम विलोम** - सुख-दुःख; स्त्री-पुरुष; प्रकाश-अंधकार।

(c) **कर्म** - इच्छा से कर्म, कर्म का चित्त में संचय, कर्मफलों की उत्पत्ति।

(d) **निष्काम-कर्म (यज्ञ)** - 'कर्म-बन्धन' से मुक्ति का मार्ग।

(e) **मोक्ष** - मानव जीवन का लक्ष्य - जन्म एवं मृत्यु से मुक्ति।

(f) **कर्मफलों के भोग स्थल** - पृथ्वी-लोक, नरक एवं स्वर्ग-लोक।

2. **प्रकृति के स्वरूप :-**

(a) **धर्म :-** प्रकृति के वे नियम जिन पर चलने से कर्म बन्धन से मुक्ति मिलती है। **धर्म के चार पाद :-**

(i) सत्य, *(ii)* तप, *(iii)* निष्काम-कर्म एवं *(iv)* दान (प्रतीक चिह्न नन्दी)

(b) **संस्कृति :-** समाज को जिन आचरणों से धर्म की ओर प्रेरित किया जा सके। **संस्कृति के स्वरूप :-** उपासना, तीर्थाटन, त्यौहार, उत्सव, नृत्य-संगीत, स्थापत्यकला एवं साहित्य आदि।

3. **निरोगी मन एवं निरोगी काया** की प्राप्ति में होम्योपैथी का योगदान - जैसे - *(a)* पति-पत्नी की सुलह *(b)* आत्महत्या *(c)* विषाद (Depression), *(d)* कामोन्माद *(e)* शराब, सिगरेट, अफीम आदि दुष्प्रवृत्तियों से मुक्ति एवं अनेक मनोरोगों की विश्वसनीय चिकित्सा।

4. **सुखी दाम्पत्य जीवन में** श्यामा तुलसी का योगदान।
सम्भोग एवं **समाधि** में अन्तर

5. **चरित्रवान सन्तान की प्राप्ति हेतु** - एक वैज्ञानिक परिचर्चा।

6. **मोक्ष प्रवण समाज रचना** - विश्व शान्ति एवं विश्वबन्धुत्व का सुदृढ़ आधार! मुक्ति एवं मोक्ष पर एक वैज्ञानिक चिंतन।

7. **ईश्वर प्राप्ति के सूत्र** - ध्यान; एकाग्रता, समाधि।
ईश्वर साक्षात्कार का वैज्ञानिक विश्लेषण।

8. **ईश्वर प्राप्ति के मार्ग** - *(a)* सांख्य योग, *(b)* निष्काम-कर्म योग, *(c)* ज्ञान-विज्ञान योग, *(d)* भक्ति योग, *(e)* अष्टांग योग, एवं *(f)* तन्त्र योग। इच्छा मात्र से संसार की प्रत्येक वस्तु कैसे प्राप्त करें।

9. **शिवोपासना - मन को सतत् सम बनाए रखना** - जीवन-मृत्यु से मुक्ति का मार्ग।

Contd. on Cover Page

मानव धर्म का विज्ञान

An Exploration of Science in Manava Dharma

तन्मय

मानव धर्म प्रशिक्षण संस्थान

Institute for Teaching Scientific Religion

बी-340, लोक विहार, पीतमपुरा दिल्ली - 110034

दूरभाष : 27352107, 27352331, 27352031

मानव धर्म का विज्ञान

An Exploration of Science in Manava Dharma

तन्मय

© प्रकाशक : मानव धर्म प्रशिक्षण संस्थान
Institute for Teaching Scientific Religion
बी-340, लोक विहार, पीतमपुरा दिल्ली-110034
दूरभाष : 27352107, 27352331, 27352031

मुद्रक : चौहान आर्ट प्रेस, नई दिल्ली-5 दूरभाष : 23521321

प्रथम संस्करण : 2005

मूल्य { (सामान्य) : 396.00
(सजिल्द) : 450.00

गायत्री माता

ॐ भूर्भुवः स्वः, तत्सवितुर्वरेण्यम्
भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात्।

सत् चित् तथा आनन्दमय, सर्वज्ञ सत्तावान जो,
प्रेरक प्रकाशक सर्व व्यापक, दिव्य शक्तिनिधान जो।
सविता अभयदाता विधाता, जो महान महान हैं,
करते वरण के योग्य उनके, तेज का हम ध्यान हैं।
वह विभु हमारी बुद्धियों में, विमल ब्राह्मी बल भरें,
तन मन वचन से नित्य ही, सन्मार्ग पर प्रेरित करें।

"हे सत् चित् एवम् आनन्दमय ! हे सर्वज्ञ ! जिसकी सत्ता सर्वत्र है, जो सबका प्रेरक है, जो सबका प्रकाशक है, जो सर्वव्यापक है, जो दिव्य शक्तियों का महासागर है, जिसका महान तेज सूर्यों के रूप में प्रकट है, जो अभय दाता है, सबका सर्जनहार है, जो महान से भी महान है, उस वरण के योग्य देवता के तेज का हम ध्यान करते हैं। वह विभु (परमात्मा) हमारी बुद्धियों में आत्म-बल की वृद्धि करें तथा तन, मन एवम् वचन से नित्य ही हम सभी को सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहें।"

नोट : *गायत्री मंत्र की वैज्ञानिक व्याख्या पुस्तक के भाग-3 में है।*

चक्रसुदर्शन धारी भगवान श्रीकृष्ण

यदा यदा हि धर्मस्य, ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य, तदात्मानं सृजाम्यहम्॥
परित्राणाय साधूनाम्, विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय, सम्भवामि युगे युगे ॥

मेरे अपने चार गुरुओं

::

लीलाधारी भगवान श्री कृष्ण
स्वामी विवेकानन्द (बी.ए.)
स्वामी चिन्मयानन्द (एम.ए.एल.एल.बी.)
डॉ. फ्रिटजोफ कापरा (पी.एच.डी.)

::

को सादर समर्पित

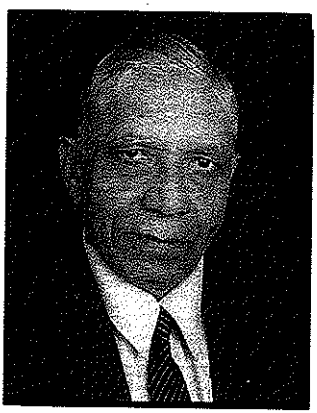

लेखक का परिचय

श्री अवधबिहारी लाल गुप्ता–**''तन्मय''** का जन्म 24 दिसम्बर 1932 को हुआ। सन् 1958 में सिविल इंजीनियरिंग के स्नातक स्तर की शिक्षा पूरी की तथा 1990 में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से एक उच्च पद से सेवा निवृत्त हुए।

1980 में होम्योपैथी पर एक शोधपुस्तक लिखी, जिसका सारांश जनवरी 1982 में एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका HMAI के V/10 अंक में प्रकाशित हुआ।

वैदिक साहित्य, विज्ञान एवम् होम्योपैथी पर परिश्रमपूर्वक किए गये स्वाध्याय के फलस्वरूप सर्वप्रथम 1997 में गायत्री मंत्र की वैज्ञानिक व्याख्या लिखी, जो पहली बार सिडनी (आस्ट्रेलिया) के यशस्वी मासिक 'दी इन्डियन डाउन अन्डर (The Indian Down Under)' के जून 1997 के Vol. 10/9 में प्रकाशित हुई। इस शोध-पत्र को सिडनी एवम् भारत में अनेक सभाओं में पढ़ा गया तथा दूरदर्शन से भी प्रसारित किया गया। तत्पश्चात् वैदिक साहित्य पर अनेक शोध-पूर्ण लेख लिखे, जिनको भारत की अनेक पत्र-पत्रिकाओं ने प्रकाशित किया।

प्रस्तुत पुस्तक उन शोध-पत्रों और व्याख्यानों का संकलन है, जिन्हें लेखक महोदय ने अपनी संस्था के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किये।

प्रो. बी. आर. चावला

MSc., L.L.B, F.I.E, F.I.E.T.E, F.I.Mech, E.Dip T.D., FIEEE,
PGDBM, CEng Wing Commander (I.A.F. Retd.)

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

(भाग-1)

1.	अभिनन्दन एवं आभार ज्ञापन	i
2.	धन्यवाद ज्ञापन एवं स्नेह संप्रेषण	ii
3.	दो शब्द - प्रो. बी० आर० चावला (अध्यक्ष)	iii
4.	भूमिका - श्रीमती परमजीत कौर (महासचिवा)	v
5.	प्रस्तावना - डॉ० विजय कौशिक, निदेशक, भा०रू०है०ए० मॉस्को	viii
6.	अपनी बात - तन्मय	xi

(भाग-2)

प्रथम सत्र	मानव धर्म की विशेषताएं एवं पुनर्स्थापना	1
द्वितीय सत्र	मानव धर्म का प्राकृतिक स्वरूप	35
तृतीय सत्र	मानव संस्कृति का एकात्म स्वरूप	75
चतुर्थ सत्र	मानव संस्कृति का वैचारिक स्वरूप	95
पञ्चम सत्र	मानव संस्कृति का प्रतीकात्मक स्वरूप	129
षष्ठम सत्र	मानव धर्म-दर्शन का साहित्यिक स्वरूप	173
सप्तम सत्र	मानव संस्कृति का विराट स्वरूप	203
अष्टम सत्र	मानव संस्कृति में आरोग्यता का स्वरूप	223
नवम सत्र	मानव धर्म एवं संस्कृति का सारांश	235

(भाग-3)

1.	वैदिक-ज्ञान के **तीन स्वरूप**	277
2.	वैदिक **'धर्म-दर्शन'** - एक जीवन पद्धति	280
3.	**ॐ** का प्रादुर्भाव - एक वैज्ञानिक विश्लेषण	285
4.	मानव-धर्म का आधार - **गायत्री मंत्र**	287
5.	प्रतीक-विज्ञान	296
6.	**मूर्तिपूजा** एक वैज्ञानिक मीमांसा	308
7.	उपास्य-देवों की वैज्ञानिक व्याख्या	313
8.	**गंगा** - आकाशगंगा का प्रतीक	321
9.	**गो** - मातृभूमि का प्रतीक	325
10.	वैदिक शासन-व्यवस्था - **ऋषि तन्त्र**	330
11.	गोत्र-विज्ञान	338
12.	**प्राण** - विज्ञान के शब्दों में	346
13.	Scientific Analysis of Homoeopathy (English)	353
14.	मानव-धर्म की समग्र दृष्टि - **सत्यम् शिवम् सुन्दरम्**	371
15.	**मंगल-कामना** के प्रतीक	379
16.	Bibliography	385
17.	Notes	390
18.	लेखक के सम्बन्ध में शीर्षस्थ विद्वानों की राय	कवर पृष्ठ

अभिनन्दन

वे सज्जन जिन्होंने पुस्तक को तैयार करने में संस्था को पूरा-पूरा संरक्षण तथा अपना आशीर्वचन प्रदान किया है, लेखक उन सभी का हृदय से अभिनन्दन करता है।

माननीय डॉ. विजय कौशिक PhD (Biotech) निदेशक भारत-रूस हैरिटेज एकाडेमी, मॉस्को
माननीय श्री अशोक सिंहल, B.E. अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद् , दिल्ली
माननीय श्री दिनेश चन्द्र जी त्यागी M.Sc. अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नई दिल्ली
माननीय श्री सुरेन्द्र कुमार बधवा BSc.LLB सचिव भारत विकास परिषद्, दिल्ली
माननीय श्री नन्द किशोर गर्ग M.Sc., L.L.B. पूर्व विधायक (भाजपा), नई दिल्ली
माननीय इंजी. वी. आर वैश्य C.E.(Hons.) F.I.E. पूर्व महानिदेशक, के. लो. नि. वि., नई दिल्ली

आभार ज्ञापन

वे महानुभाव जिन्होंने अपने बहुमूल्य समय तथा विचारों द्वारा एक साथ मिल-बैठकर मन्त्रणा करके पुस्तक को तैयार करने में संस्था का अनेक बार मार्गदर्शन किया है। लेखक उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

Prof. B. R. Chawla MSc., L.L.B, F.I.E, F.I.E.T.E, F.I.Mech, E.Dip T.D., F.I.E.E.E, PGDBM, CEng, Wing Commander (I.A.F. Retd.)		President	Delhi
Er. C Ramarao	BE (Civil)	Vice-President	Delhi
Smt. Paramjeet Kaur	MSc. MEd	Gen. Secretary	Delhi
Sh. Rakesh Gupta	C.A.	Treasurer	Delhi
Sh. Ashok Kumar Agarwal	BSc. L.L.B	Chief Editor	Delhi
Major N.P. Chauhan, Army Officer (Retd.)		Member Edit. Board	Delhi
Dr. R. S. Kaushal	Ph.D (Physics)	Member Edit. Board	Delhi
Dr. Asha Gupta	M.A.Ph..D. (Hindi)	Member Edit Board	Sydney
Dr. Ajay	M.B.B.S., M.D.	Member Edit Board	Delhi
Dr. Manu Rachna Chopra	B.H.M.S.	Member Edit Board	Delhi
Dr. Archana	M.B.B.S., DGO	Member	Delhi
Dr. Khushdeep Bansal	Ph.D. (Electronics)	Member	Delhi
Dr. Arun	B.H.M.S.	Member	Delhi
Smt. Achla	M.A. (Eco.)	Member	Delhi
Sh. J. L. Chopra	MSc. (Hort.)	Member	Delhi
Sh. P. N. Chauhan	B. Com.	Member	Delhi
Sh. Jugal Kishore	BSc.	Member (Ex President)	Delhi
Sh. Ajay Kansal	BCom (H) F.C.A.	Member (Ex Secretary)	Delhi

धन्यवाद ज्ञापन

देश-विदेश के जिन सज्जनों ने इस संस्था को अपने बहुमूल्य विचारों द्वारा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है, लेखक उन सभी का धन्यवाद ज्ञापित करता है।

माननीय डॉ. लक्ष्मीमल सिंहवी	B.A., L.L.M.	पूर्व अध्यक्ष इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,	नई दिल्ली
माननीय श्री नन्दलाल दशोरा	M.A.BEd	सुप्रसिद्ध विद्वान लेखक	उदयपुर
डॉ. एस. भट्टाचार्य	M. Com. ACWA, MBA, FICS, PhD	प्रबन्धक धार्मिक संस्थान	हरिद्वार
डॉ. सत्य प्रकाश सिंह	Ph.D. (Sanskrit) D. Lt.	निदेशक वैदिक शोध संस्थान	नई दिल्ली
डॉ. संगीता भाटिया	M.Sc. Ph.D. B.Ed. NET	प्राचार्य न्यू स्टेट एकाडेमी सी.से. स्कूल	दिल्ली
डॉ. मोहन लाल गुप्ता	M.Sc. (Ag) Ph.D.	पूर्व प्राचार्य, हि.वि.वि.	वाराणसी